अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

4बी, डकबैक हाउस, 41, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता-700017
टेलीफोनः (033) 4004 4089, ईमेलः aimf1935@gmail.com, वेवसाइट: www.marwarisammelan.in

88वाँ स्थापना दिवस समारोह

मुख्य अतिथि

श्री सुजीत बोस

दमकल मंत्री, (स्वतंत्र प्रभार) पश्चिम बंगाल सरकार

सम्मानित अतिथि

श्रीमती अमला रुइया
(समाज सेविका)
अध्यक्षा, आकार चैरिटेबल ट्रस्ट

मुख्य वक्ता

श्री सीताराम शर्मा
मानद कंसुल जनरल, बेलारुस गणराज्य
एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष

सभापतित्व

श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया
राष्ट्रीय अध्यक्ष,
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

रविवार, 25 दिसम्बर 2022 ● सुबह 10 बजे

जी.डी. बिड़ला सभागार
29, आशुतोष चौधरी एवेन्यू, बालीगंज
बिड़ला मंदिर के पास, कोलकाता-700 019

सम्मान

सम्मेलन के 88वें स्थापना दिवस के अवसर पर
आकार चैरिटेबल ट्रस्ट की अध्यक्षा

श्रीमती अमला रुइया

को जल संचयन एवं संरक्षण के क्षेत्र में अद्वितीय अवदान कर समाज का नाम रोशन करने हेतु

'मारवाड़ी सम्मेलन राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान-2021'

(रामनिवास आशारानी लाखोटिया)

से सम्मानित किया जायेगा।

रंगारंग राजस्थानी नृत्य-संगीत

सुप्रसिद्ध **मंत्र इवेन्ट्ज** द्वारा
युवा कलाकार श्री आलोक डागा
के कुशल निर्देशन में राजस्थान – हरियाणा के मनमोहक लोक गीतों की पारम्परिक वेशभूषा में संगीत एवं नृत्य के साथ अनुपम-अद्भुत प्रस्तुति (LED स्क्रीन के साथ)

'धोरां रो म्हारो देस'

विशेष

अल्पाहार : सुबह 10.00 से 10.30 बजे तक
कृपया सुबह 10.35 बजे तक अपना स्थान ग्रहण करें।
– प्रवेश दो व्यक्तियों के लिए

८८वाँ स्थापना दिवस समारोह

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

स्थापित 1935

मुख्य अतिथि

श्री सुजीत बोस

माननीय दमकलमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
पश्चिम बंग सरकार

सम्मानित अतिथि

श्रीमती अमला रुइया

(समाज सेविका)
अध्यक्षा, आकार चैरिटेबल ट्रस्ट, महाराष्ट्र

मुख्य वक्ता

श्री सीताराम शर्मा

मानद कंसुल जनरल, बेलारुस गणराज्य
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

समारोह का सभापतित्व करेंगे

श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया

राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

आपकी सपरिवार उपस्थिति सादर प्रार्थित है

संतोष सराफ
निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष
स्वागताध्यक्ष

भानीराम सुरेका, पवन गोयनका,
पवन सुरेका, अशोक जालान,
श्याम सुन्दर हरलालका, विजय लोहिया
राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण

संजय हरलालका
राष्ट्रीय महामंत्री

गोपाल अग्रवाल, सुदेश अग्रवाल
राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री

बसंत मित्तल
राष्ट्रीय संगठन मंत्री

दामोदर बिदावतका
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

संक्षिप्त परिचय

श्रीमती अमला रुइया

जल संचयन एवं संरक्षण के क्षेत्र में कार्यरत
आकार चैरिटेबल ट्रस्ट की माननीय अध्यक्षा

श्रीमती अमला रुइया जी का जन्म १९४६ में उत्तर प्रदेश के सम्पन्न परिवार में हुआ। आपकी रुचि स्वास्थ्य, उन्नत योग और प्राकृतिक चिकित्सा में रही और आपने सन् १९९६-९९ में प्राकृतिक चिकित्सा में डिप्लोमा की और फिर एक छोटा चिकित्सा केन्द्र चलाना शुरु किया, जिसमें मरीजों के लिए राइफ और जॉन राइट मशीनों के तहत उपचारों के साथ-साथ विभिन्न वैकल्पिक उपचारों का विस्तार किया। आप १९८६ से २००१ तक आध्यात्म को समर्पित रही जिसके कारण आपकी समाजसेवा की जमीन तैयार हुई। १९९९ में आप आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के श्री श्री रविशंकर के संपर्क में आई तथा उनके उत्सव और सेवा के संदेश ने आपको ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा करने के लिये प्रेरित किया।

२००१ में राजस्थान में आए अकाल की दुर्दशा से आप द्रवित हुई और इसके बाद ग्रामीण भारत के सूखे और प्यासे लोगों को वर्षा के जल को संचयन विधि के द्वारा उपयोग में लाने के उपर कार्य करना प्रारम्भ किया। आपने २००३ में आकार चैरिटेबल ट्रस्ट का गठन किया जिसके अंतर्गत गाँव-गाँव में चेक डैम बनाने का संकल्प लिया। इस ट्रस्ट के माध्यम से प्रायोजकों द्वारा ७० प्रतिशत एवं ग्रामीणों द्वारा ३० प्रतिशत के अनुपात में चेक डैम परियोजनाओं की शुरुआत की। रामगढ़ और चूरु में २०० पेयजल कुंड का निर्माण कराया। जिसमें १ करोड़ लीटर पेयजल एकत्र करना, राजस्थान, यूपी, एमपी, बिहार और महाराष्ट्र में जल संचयन में जमीनी स्तर पर काम करने वाले गैर सरकारी संगठनों को आर्थिक सहायता देना, महाराष्ट्र में २००३ से २००८ तक लगातार उस गाँव को १ लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान करना, जिन्होने सबसे अच्छा जल संचयन किया हो, शामिल है। अगस्त २०२२ तक आकार चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा ६०८ चेक डैम बनाये जा चुके हैं, जिनसे ७५७ गाँवों के १५ लाख से अधिक लोगों का जीवन बदल चुका है। महामारी के दौरान १०३ डैम बनाये गये जिससे २.४ लाख लोगों पर इसका अनुकूल प्रभाव पड़ा।

आप यह मानती हैं कि हमारे देश में दो सबसे महत्वपूर्ण मुद्दे हैं, जिन पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। वो है पानी और शिक्षा, इसलिये आप जिस गाँव में जल संचयन करने जाती हैं वहाँ प्राथमिक शिक्षा का मुद्दा भी उठाया जाता है। आज इतर समाज के अलावा संपूर्ण मारवाड़ी समाज को आप पर गर्व है।